भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

07.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2380 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत स्टेशनों के पुनर्विकास की स्थिति

2380. श्री मंसूर अली ख़ान:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार ऐसे स्टेशनों की संख्या कितनी है जहाँ कार्य पूरे हो चुके हैं, निविदा दिए जाने के पश्चात् कार्य प्रगति पर हैं और जहाँ निविदाएँ दिया जाना अभी शेष है;

(ख) कर्नाटक के प्रत्येक स्टेशन के लिए स्वीकृत लागत, स्वीकृति का वर्ष, अनुबंध दिए जाने की तिथि और पूर्ण किए गए कार्यों की जानकारी सहित, स्टेशन-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) इस योजना के अंतर्गत उन्नयन के लिए लक्षित स्टेशनों की संख्या कितनी है और इसकी शुरुआत से लेकर अब तक प्रत्येक वर्ष वास्तव में कितने स्टेशनों का उन्नयन किया गया है, वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) योजना की शुरुआत से लेकर अब तक प्रत्येक वर्ष योजना शीर्ष - 53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत दक्षिण पश्चिमी रेलवे सहित ज़ोन-वार आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

अब तक, इस योजना के तहत विकास के लिए 1,340 स्टेशन चिह्नित किए गए हैं, जिसमें से 261 स्टेशनों का कार्य पूरा हो चुका है, शेष स्टेशनों पर कार्य निष्पादन/निविदा/मास्टर प्लानिंग के विभिन्न चरणों में हैं।

कर्नाटक में स्टेशन:

1340 स्टेशनों में से कर्नाटक के 61 स्टेशन इस योजना के अंतर्गत विकसित किए जाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। कर्नाटक में अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	61	अलमट्टि, अलनावर, अर्सिकेरे जंक्शन, बादामी, बागलकोट, बल्लारि, बंगलूरु कैंट, बंगारपेट, बंटवाल, बेलागवी, बीदर, चामराज नगर, चन्नापटना, चन्नासंद्रा, चिक्कमगलूरु, चिकोडी रोड, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, धारवाड़, डोडबल्लापुर, गदग, गंगापुर रोड, गंगावती, घाटप्रभा, गोकक रोड, गुब्बि, हरिहर, हासन, होसपेटे, कालाबुरगी जं, केंगेरी, कोप्पल, क्रान्तिवीर संगोल्लि रायाण्ण (बंगलूरु स्टेशन), कृष्णराजपुरम, मल्लेश्वरम, मलूर, मांड्या, मैंगलोर सेंट्रल, मैंगलोर जंक्शन, मुनीराबाद, मैसूरू जं (मैसूर), रायचूर जं, रामनगरम, राणिबेन्नूर, रायबाग, सागर जंबागरू, सकलेशपुर, शाहाबाद, शिवमोगा टाउन, श्रवणबेलगोला, श्री सिद्धारूढ़ा स्वामीजी हुब्बल्लि जंक्शन, सुब्रह्मण्य रोड, तालगुप्पा, तिपटूरू, तुमकुरु, उडुपि, विजयपुरा, वाडी, व्हाइटफ़ील्ड, यादगीर, यशवंतपुर

कर्नाटक के रेलवे स्टेशन जहां कार्य पूरे हो चुके हैं:

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कर्नाटक राज्य में रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। कर्नाटक में उन स्टेशनों का विवरण जहां कार्य पूरे कर ले गए हैं, निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
कर्नाटक	12	अलनावर, बादामी, बागलकोट, बंटवाल, धारवाड़, गडग, गोकक रोड, होसपेटे, कोप्पल, मुनीराबाद, राणिबेन्नूर, सुब्रह्मण्य रोड

अन्य स्टेशनों पर भी विकास गतिविधियां तीव्र गति से शुरू की गयी हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

दक्षिण पश्चिम रेलवे में स्थित कर्नाटक के स्टेशन

- **बेंगलुरू छावनी स्टेशन:** दक्षिण की ओर नए डायवर्जन रोड, नया विद्युत सब स्टेशन और नए 5 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य पूरा हो चुका है। दक्षिण की ओर नए स्टेशन

भवन, उत्तर की ओर नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, एयर कॉनकोर्स, 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, दक्षिण की ओर नया बेसमेंट, उत्तर और दक्षिण की ओर नए ओवरहेड टैंक का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- **यशवंतपुर स्टेशन:** पूर्व की ओर नई एलिवेटेड सड़क, पूर्व की ओर नया आगमन और प्रस्थान प्लाजा, पूर्व की ओर नई मल्टी लेवल कार पार्किंग (एमएलसीपी), नया विद्युत सब-स्टेशन, नया ओवरहेड टैंक और पूर्व की ओर नई सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का कार्य पूरा हो चुका है। पश्चिम की ओर नए स्टेशन भवन, नए एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म शेल्टर, लिफ्ट, एस्केलेटर, पश्चिम की ओर नई एलिवेटेड सड़क, पश्चिम की ओर नया आगमन और प्रस्थान प्लाजा का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **सकलेशपुर स्टेशन:** मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन का विस्तार, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश बरामदा, प्लेटफॉर्म शेल्टर, नया प्रतीक्षालय, नया शौचालय, नया बुकिंग कार्यालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, संकेतकों, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं और लिफ्ट का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- **चित्रदुर्ग स्टेशन:** मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश बरामदा, नया प्रतीक्षालय, नया शौचालय, नया बुकिंग कार्यालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र का सुधार, दिव्यांगजनों के लिए पार्किंग और अन्य सुविधाओं का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- दावणगेरे स्टेशन: प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, नया शौचालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग और दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का कार्य पूरा हो चुका है। लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

कर्नाटक के अन्य स्टेशन

- **अरसीकेरे जंक्शन स्टेशन:** नए प्रतीक्षालय, नए पार्सल कार्यालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश बरामदा, प्लेटफार्म शेल्टर, नया बुकिंग कार्यालय, नया शयनकक्ष, नया विश्रामालय, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।
- **हरिहर स्टेशन**: मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग, नए शयनकक्ष और नए विश्रामालय का कार्य पूरा किया जा चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश बरामदा, प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, नया प्रतीक्षालय, नया शौचालय, नया बुकिंग कार्यालय, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- **रामनगरम स्टेशन:** मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन में सुधार, प्लेटफॉर्म संख्या 2/3 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय में सुधार, पे एंड यूज शौचालय और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग का कार्य पूरा हो चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश बरामदा, प्लेटफॉर्म

संख्या 1 और 4 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

- **सागरा जम्बगारू स्टेशन:** मुख्य प्रवेश द्वार पर नया प्रवेश बरामदा, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग का काम पूरा हो गया है। मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के विस्तार, नए प्रतीक्षालय, नए शौचालय, नए बुकिंग कार्यालय, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।
- **तालगुप्पा स्टेशन:** मुख्य प्रवेश द्वार पर स्टेशन भवन के सुधार का कार्य, मुख्य प्रवेश द्वार पर नया बरामदा, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार और मुख्य प्रवेश द्वार पर पार्किंग का कार्य पूरा हो चुका है। प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, नए शौचालय, बुकिंग कार्यालय में सुधार, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, लिफ्ट, एस्केलेटर और 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत् और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य आवश्यकता परस्पर प्राथमिकता के अध्यधीन और निधियों की उपलब्धता के अनुसार किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/संभाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों में सुधार लाने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप अधिक चौड़े पैदल पार पुल/भूमिगत पैदल पार पथ की व्यवस्था
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफॉर्म की सतह का सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टी मोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित अन्य योजनाओं के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। कर्नाटक राज्य पांच क्षेत्रीय रेलों अर्थात् मध्य रेलवे, दक्षिण तट रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 3,244 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जून, 2026 तक) 1,588 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए दक्षिण पश्चिम रेलवे को 633 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 184 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

******